1 ट्रांसजेंडर ने डीयू में स्नातक पाठ्यक्रम में आवेदन किया है। विवि ने अपने दाखिला पोर्टल पर इस बात की जानकारी साझा की है। विशेषज्ञों का कहना है कि ट्रांसजेंडर उम्मीदवारों का दाखिले के लिए रुचि न दिखाना निराशाजनक है।

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
मंगलवार 25 जून 2019

योजना ▸ मुख्यमंत्री केजरीवाल ने चंद्रावल में नए जल शोधन संयंत्र के निर्माण के शुभारंभ पर किया दावा

2024 तक हर घर को 24 घंटे नल से मिलेगा पानी

केंद्र के साथ मिलकर यमुना में बाढ़ के पानी के भंडारण के लिए शुरू किया जाएगा काम

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने चंद्रावल में नए जल शोधन संयंत्र (डब्ल्यूटीपी) के निर्माण का शुभारंभ किया। इस चंद्रावल फेज-2 संयंत्र की शोधन क्षमता 477 एमएलडी (मिलियन लीटर डेली) होगी। इस दौरान उन्होंने कहा कि यह संयंत्र तीन साल में बनकर तैयार होगा। इससे 22 लाख लोगों को 24 घंटे नल से साफ पानी मिलेगा। इसके अलावा केंद्र सरकार के साथ मिलकर यमुना में बाढ़ के पानी के भंडारण के लिए काम शुरू किया जाएगा और वर्ष 2024 तक दिल्ली के हर घर में लोगों को 24 घंटे साफ पानी नल से उपलब्ध कराया जाएगा।

उन्होंने चेन्नई का उदाहरण देते हुए कहा कि मौजूदा समय में पूरे देश में पानी की किल्लत है। एक जिम्मेदार सरकार होने के नाते दिल्ली सरकार भविष्य की तैयारियों में जुट गई। लोग सरकार पर भरोसा करे। हम विश्वास दिलाते हैं कि निर्धारित समय तक हर घर में 24 घंटे नल से साफ पेयजल मिलेगा। लोगों को आरओ और फिल्टर लगाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। यह दिल्ली सरकार का मिशन है। उन्होंने अपनी सरकार की उपलब्धियां बताते हुए जल प्रबंधन बेहतर करने का दावा किया और कहा कि 70 साल में यहां की सिर्फ 58 फीसद कॉलोनियों को पाइपलाइन से पानी मिल पा रहा था। शेष कॉलोनियों के लोग टैंकर पर निर्भर थे। इसलिए टैंकर माफियाओं का बड़ा नेटवर्क खड़ा हो चुका था। इसे राजनीतिक संरक्षण प्राप्त था। सत्ता संभालने के बाद यह व्यवस्था हमने ध्वस्त कर दी है। दिल्ली में अब ईमानदार सरकार है। हम पानी बेचकर पैसा नहीं कमाते, लोगों को पानी पिलाकर पुण्य कमाते हैं। अब 88 फीसद कॉलोनियों में पाइपलाइन से पानी पहुंचने लगा है अर्थात साढ़े चार साल में 30 फीसद कॉलोनियों में पानी पहुंचा। अब सिर्फ 250 कॉलोनियां बची हैं, जहां पाइपलाइन नहीं है। इनमें से करीब 150 कॉलोनियों में पाइपलाइन बिछाना संभव नहीं है क्योंकि इनमें से कुछ कॉलोनियां वन विभाग की जमीन पर हैं और कुछ में तकनीकी कारण से पाइपलाइन बिछाना संभव नहीं है। इन्हें छोड़कर अन्य कॉलोनियों में पाइपलाइन बिछाने का कार्य डेढ़ साल में पूरा कर लिया जाएगा।

गंगा व यमुना के पानी में बढ़े दिल्ली की हिस्सेदारी : उन्होंने कहा कि यमुना व गंगा के पानी में दिल्ली की हिस्सेदारी वर्ष 1994 में तय की गई थी। तब वहां की जनसंख्या सवा करोड़ थी। 25 साल बाद अब जनसंख्या करीब सवा दो करोड़ पहुंच चुकी है, जबकि हाल के वर्षों में मुनक नहर से ही थोड़ा अतिरिक्त पानी मिला। इसलिए केंद्र सरकार से दिल्ली की हिस्सेदारी बढ़ाने की मांग करेंगे।

बाढ़ के पानी का होगा भंडारण : केजरीवाल ने कहा कि वर्षा जल भंडारण के लिए भी कदम उठाए गए हैं। इसके लिए स्कूलों व सरकारी भवनों पर वर्षा जल संचयन यंत्र लगाए जा रहे हैं, लेकिन सिर्फ इससे काम नहीं चलेगा। दिल्ली में प्रतिदिन करीब 930 एमजीडी पानी आपूर्ति की जाती है और जरूरत 1200 एमजीडी की है। बरसात में यमुना में एक दिन में करीब छह लाख क्यूसेक पानी बह जाता है। इसके भंडारण से दिल्ली की वर्ष भर की जरूरतें पूरी हो सकती हैं। यमुना खादर क्षेत्र में बाढ़ के पानी का भंडारण संभव है। इसको लेकर कई अध्ययन हो चूके हैं। इस पर केंद्र सरकार से बातचीत कर रहे हैं। डेढ़-दो सालों में बाढ़ का पानी संरक्षण करने में कामयाब होंगे।

चंद्रावल में जल शोधन संयंत्र के निर्माण के शुभारंभ के अवसर पर संबोधित करते अरविंद केजरीवाल। जागरण

कोरोनेशन पिलर से नए संयंत्र को मिलेगा पानी

मौजूदा समय में सीवरेज शोधन संयंत्र (एसटीपी) का पानी भी यमुना में बहा दिया जाता है। इसका भी दोबारा इस्तेमाल संभव है। इसलिए कोरोनेशन पिलर एसटीपी तैयार होने पर 100 एमजीडी पानी पल्ला ले जाकर यमुना में गिराया जाएगा, जिसे चंद्रावल में लाकर दोबारा शोधित कर आपूर्ति की जाएगी।

इन इलाकों को होगा फायदा

नए संयंत्र के बनने से पुरानी दिल्ली, पटेल नगर, नई दिल्ली के कुछ हिस्से व दिल्ली कैंट के कुछ हिस्सों में पानी मिल सकेगा।

अमोनिया का हो सकेगा शोधन

चंद्रावल फेज-2 के तहत नए जल शोधन संयंत्र के निर्माण में अत्याधुनिक तकनीक का इस्तेमाल होगा। इस संयंत्र के चालू होने पर पानी से अमोनिया का शोधन उच्च गुणवत्ता तक हो सकेगा। यमुना में अमोनिया बढ़ने के कारण पेयजल आपूर्ति बाधित होने की समस्या काफी हद तक दूर होगी। साथ ही इस संयंत्र के बनने पर पेयजल की बर्बादी भी काफी हद तक कम हो जाएगी। इसलिए पानी की बचत भी होगी। इस परियोजना के तहत चंद्रावल जल शोधन संयंत्र के कमांड क्षेत्र में बने सभी भूमिगत जलाशयों, बूस्टर पंप स्टेशन व पुरानी पाइपलाइनों को भी बदला जाएगा। इससे कई जगहों पर रिसाव के कारण पानी की बर्बादी होती है।

केंद्र सरकार से पानी की हिस्सेदारी बढ़ाने की मांग

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत से मुलाकात की। केजरीवाल ने केंद्रीय मंत्री से दिल्ली के लिए पानी की हिस्सेदारी बढ़ाने की बात कही। उन्होंने कहा कि 1996 में पहली बार दिल्ली के लिए पानी की हिस्सेदारी तय हुई थी। 1996 से लेकर अब तक दिल्ली की हिस्सेदारी नहीं बढ़ाई गई है, जबकि तब से लेकर अब तक दिल्ली की आबादी करीब दो गुनी हो गई है। इसलिए हरियाणा और उत्तर प्रदेश से मिल रहे पानी में हिस्सेदारी को तुरंत बढ़ाया जाना चाहिए।

केजरीवाल ने केंद्रीय मंत्री को बताया कि दिल्ली की पानी की जरूरतों को 1996 में जब तय किया गया था, तब दिल्ली की जनसंख्या 1.25 करोड़ थी। पिछले 23 साल के दौरान दिल्ली का बहुत विस्तार हुआ।

केजरीवाल ने कहा कि सिंचाई के पानी से अधिक पीने के लिए पानी का महत्व दिया जाना चाहिए। साथ ही उन्होंने केंद्रीय मंत्री से दिल्ली सरकार की यमुना बाढ़ क्षेत्र में जल-संचयन वाली महत्वाकांक्षी परियोजना को जरूरी मंजूरी देने की अपील भी की। सीएम ने बैठक के दौरान यह भी बताया कि बारिश के दौरान अगर पानी यमुना बाढ़ क्षेत्र में इकट्ठा कर लिया जाएगा तो दिल्ली की पानी की जरूरतें काफी हद तक पूरी हो जाएंगी।

इसके साथ ही केजरीवाल ने इस बात पर भी चिंता व्यक्त की कि दिल्ली विकास प्राधिकरण लैंड पूलिंग की नीति के तहत 16 लाख फ्लैट बनाने जा रहा है। मगर पानी को लेकर कोई इंतजाम नहीं किया गया है। इन फ्लैटों में रहने वालों के लिए पानी की जरूरतें कैसे पूरी होंगी? इस पर भी विचार किए जाने की जरूरत है।

हमारे प्रस्तावों पर जल्द गौर करेगा केंद्रीय मंत्रालय : सीएम

मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्रीय मंत्री शेखावत ने आश्वासन दिया कि उनका मंत्रालय प्रस्ताव को देखेगा और प्रस्ताव आने के तीन दिन के अंदर इस पर अपनी राय देगा। सीएम ने यह भी बताया कि दिल्ली सरकार रेन वाटर हार्वेस्टिंग को उच्च प्राथमिकता दे रही है। दिल्ली के सरकारी स्कूलों और अन्य सरकारी इमारतों में वर्षा जल संचयन अनिवार्य बनाया गया है। इसके अलावा दिल्ली सरकार एसटीपी भी लगवा रही है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्री ने दिल्ली सरकार के जल संरक्षण के प्रयासों की सराहना की। बैठक के दौरान यमुना की सफाई और अन्य जरूरी मुद्दों पर सकारात्मक चर्चा हुई। इस दौरान दिल्ली के शहरी विकास मंत्री सत्येंद्र जैन व मुख्य सचिव विजय देव भी मौजूद थे।

न्यूज गैलरी

केजरीवाल के खिलाफ मानहानि मामले में सुनवाई टली

नई दिल्ली : दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष विजेंद्र गुप्ता की तरफ से मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के खिलाफ दायर मानहानि याचिका के मामले में सोमवार को सुनवाई टल गई। अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट समर विशाल के अवकाश पर होने के चलते सुनवाई अब 26 जून को होगी। विजेंद्र गुप्ता ने मानहानि की शिकायत दायर कर एक करोड़ रुपये मुआवजा मांगा है। शिकायत में कहा गया है कि अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया ने उन पर गलत आरोप लगाया हैं। दिल्ली में चुनावी रोड शो के दौरान थप्पड़ मारे जाने की घटना को मुख्यमंत्री केजरीवाल ने भाजपा की साजिश करार दिया था और आरोप लगाया था कि उन्हें जान से मारने की साजिश हो रही है, जिसमें विजेंद्र गुप्ता भी शामिल हैं। (जासं)

ठक-ठक गिरोह ने विजेंद्र गुप्ता की पत्नी का उड़ाया बैग

नई दिल्ली : नई दिल्ली इलाके में ठक-ठक गिरोह के बदमाशों ने दिल्ली विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता विजेंद्र गुप्ता की पत्नी शोभा विजेंद्र गुप्ता का बैग उड़ा लिया। बदमाशों की पहचान के लिए घटना स्थल के समीप लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज पुलिस खंगाल रही है। शोभा सोमवार की सुबह पंडारा रोड इलाके में चालक के साथ कार से गई थीं। यहां से वह रोहिणी स्थित अपने घर लौट रही थीं। इसी बीच सुबह करीब 10:15 बजे मंडी हाउस के समीप एक व्यक्ति ने चालक को बताया कि कार से तेल गिर रहा है। इसे देखने के लिए चालक के साथ शोभा भी नीचे उतर गईं। इसी बीच पीछे से मोटरसाइकिल पर आए एक बदमाश ने झटके से उनका बैग छीन लिया और फरार हो गया। उनके द्वारा पुलिस को दी गई सूचना के बाद बदमाशों की तलाश की गई लेकिन पता नहीं चल सका। विजेंद्र गुप्ता ने बताया कि बैग में कुछ रुपये, निजी सामान और दस्तावेज आदि थे। (जासं)

जेवर एयरपोर्ट के लिए 12 कंपनियों ने दिखाई रुचि

ग्रेटर नोएडा : जेवर एयरपोर्ट के लिए जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया चल रही है। टेंडर के लिए भी कंपनियां आगे आने लगी हैं। अब तक 12 कंपनियों ने टेंडर खरीद लिए हैं। ये सभी कंपनियां प्री बिड कांफ्रेंस में हिस्सा लेंगी। अधिकारियों की माने तो जेवर एयरपोर्ट के लिए देश के अलावा विदेशी कंपनियों ने भी टेंडर खरीदे हैं। निविदा सेल के प्रभारी शैलेंद्र भाटिया ने बताया कि प्री बिड की बैठक 15 जुलाई को होनी है। इसकी तैयारी शुरू हो गई है। (जासं)

सेंट स्टीफंस कॉलेज ने जारी की पहली कटऑफ लिस्ट

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के सेंट स्टीफंस कॉलेज ने सोमवार को स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए पहली कटऑफ लिस्ट जारी की। इसके मुताबिक बीए इंग्लिश ऑनर्स और इकोनॉमिक्स ऑनर्स पाठ्यक्रमों में सामान्य श्रेणी के कॉमर्स छात्रों को 98.75 फीसद पर दाखिला मिलेगा। पिछले साल बीए इकोनॉमिक्स ऑनर्स का कटऑफ 98.75 फीसद ही था। बीए इंग्लिश ऑनर्स के कटऑफ में 0.25 फीसद का इस वर्ष इजाफा हुआ है। इस वर्ष बीए इंग्लिश ऑनर्स में कॉमर्स के छात्रों के लिए 98.75 फीसद निर्धारित किया गया है। पिछले वर्ष कॉमर्स के छात्रों के लिए यह 98.50 फीसद था।

सेंट स्टीफंस कॉलेज में 19,862 उम्मीदवारों ने स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए आवेदन किया था, जिनमें से 59.2 फीसद छात्राएं हैं। आर्ट्स विषयों को पढ़ने वाले 13,089 और विज्ञान पढ़ने वाले 6,773 छात्रों ने आवेदन किया है। अंग्रेजी के लिए 3505, इकोनॉमिक्स के लिए 3418 और गणित के लिए 2231 आवेदन प्राप्त हुए। वहीं नौ खेलों में खेल कोटे के लिए कुल 682 छात्राओं ने आवेदन किए हैं। कॉलेज में सभी पाठ्यक्रमों में कुल 400 सीटें हैं। ईसाई समुदाय के कुल 1105 छात्रों ने आवेदन किए हैं।

ईसीए के ट्रायल के लिए डीयू ने जारी किए दिशा-निर्देश

जासं, नई दिल्ली : डीयू ने एक्स्ट्रा करिकुलर एक्टिविटी (ईसीए) वर्ग के तहत होने वाले दाखिले के प्रारंभिक ट्रायल के कार्यक्रम की घोषणा कर दी है। इसमें विभिन्न एक्टिविटी में 25 जून से ट्रायल शुरू होकर पांच जुलाई तक जारी रहेंगे। सभी ट्रायल सुबह नौ बजे से शुरू होंगे और रविवार को भी जारी रहेंगे। सोमवार को डीयू ने दाखिला पोर्टल पर एक अहम नोटिस जारी किया है। इसमें डीयू ने एनसीआर के बाहर से आवेदन करने वाले छात्रों से कहा कि ईसीए के जो ट्रायल 25 और 26 जून के दिन होने जा रहे हैं, वे छात्र किसी कारण इन दोनों दिनों पर ट्रायल की जगह और समय पर नहीं पहुंच पाते हैं तो 27 जून को रजिस्ट्रेशन डेस्क पर अपने-अपने ईसीए के गतिविधियों के लिए पहुंचकर पंजीकरण करवा सकते हैं। यह सुविधा सिर्फ एनसीआर से बाहर के छात्रों के लिए 25 और 26 जून को होने वाले ट्रायल के लिए ही दी गई है।

हजारों निवेशकों से करोड़ों की ठगी में तीन गिरफ्तार

जागरण संवाददाता, नोएडा : बाइक बोट की तर्ज पर सेक्टर-63 से संचालित बाइक फॉर यू कंपनी के नाम से ठगी का धंधा चल रहा था। पिछले एक वर्ष से संचालित इस कंपनी ने हजारों निवेशकों से करोड़ों रुपये की ठगी की है। एक शिकायत के आधार पर कोतवाली फेज-तीन पुलिस ने छानबीन की तो फर्जीवाड़े का पर्दाफाश हुआ। पुलिस ने सोमवार को गैंग में तीन आरोपित बबलू यादव निवासी एटा, रोहित चौहान निवासी मंगलौर रुड़की उत्तराखंड व जीवन निवासी खंदौली आगरा को गिरफ्तार किया है। इनके पास से ठगी की रकम से खरीदी गई एक जीप, दो कार, कंपनी में संचालित आठ बाइक सहित अन्य सामान बरामद हुए हैं। आरोपित बबलू यादव का आपराधिक इतिहास भी है। उसके खिलाफ एटा में आर्म्स एक्ट, गैंगस्टर सहित अन्य धाराओं के तहत एफआइआर पहले से दर्ज है।

एसएसपी वैभव कृष्ण ने बताया कि सेक्टर 63 में संचालित इस कंपनी में बबलू निदेशक था। पिछले दिनों कुछ निवेशकों ने फेज तीन में एफआइआर दर्ज कराई थी। उनके साथ कंपनी द्वारा बाइक फॉर यू के नाम पर ठगी हुई है। निवेशकों का आरोप था कि बाइक फॉर यू (ई-व्हील ट्रांजिट सॉल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड) में इंवेस्ट करने के नाम पर प्रत्येक व्यक्ति से 60 हजार 250 रुपये धोखाधड़ी कर वसूले गए हैं।

आप के बागी विधायकों ने और समय मांगा

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

दलबदल के आरोपों का सामना कर रहे आम आदमी पार्टी (आप) के बागी विधायक देवेंद्र सहरावत और अनिल वाजपेयी ने दिल्ली विधानसभा के सचिव के समक्ष अपनी लिखित दलीलें सोमवार को प्रस्तुत कीं। इस मुद्दे पर अध्यक्ष के समक्ष व्यक्तिगत सुनवाई को आगे टालने का अनुरोध किया। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष रामनिवास गोयल ने कहा है कि इस मामले में मंगलवार को सुनवाई होगी। इसके अलावा वह कुछ नहीं कह सकते हैं।

इन दोनों को आप विधायक एवं पार्टी प्रवक्ता सौरभ भारद्वाज की याचिका पर नोटिस जारी किया गया था। भारद्वाज ने दोनों पर लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा में शामिल होने का आरोप लगाया है। अपने जवाब में सहरावत और वाजपेयी ने कहा कि भारद्वाज की याचिका के साथ संलग्न समाचार-पत्र की कतरनें अपठनीय हैं। उन्होंने मांग की कि उन्हें टाइप की हुई एवं अनूदित प्रतियां उपलब्ध कराई जाएं ताकि वे दलबदल के आरोप पर अपनी प्रतिक्रिया दर्ज करा सकें। वाजपेयी ने दिल्ली विधानसभा के सचिव को सौंपी अपनी लिखित दलील में कहा कि मैं आपसे 25 जून की सुनवाई को टालने और याचिका एवं संलग्न दस्तावेजों की टाइप की हुई प्रतियां मुहैया कराए जाने की तारीख से छह हफ्ते का समय देने का अनुरोध करता हूं। बिजवासन विधानसभा क्षेत्र के विधायक सहरावत ने भी यही कारण बताते हुए भाजपा में शामिल होने के आरोप पर जवाब देने के लिए चार हफ्ते का वक्त मांगा है। हालांकि, सूत्रों ने बताया कि दोनों विधायकों को सात दिन का वक्त दिया गया है जो दिल्ली विधानसभा सचिवालय के नोटिस का जवाब देने के लिए पर्याप्त है।

उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर कल सुनवाई होनी है। अध्यक्ष नियमों के अनुरूप काम करेंगे। वहीं भारद्वाज ने कहा है कि सहरावत और वाजपेयी भाजपा के वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में मई में उनकी पार्टी में शामिल हुए थे। इसके पूरे प्रमाण उपलब्ध हैं। हालांकि ये दोनों इस बात पर कायम हैं कि उन्होंने पार्टी की सदस्यता के लिए आवेदन नहीं किया था। वहीं वाजपेयी और सहरावत ने दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष विजेंद्र गुप्ता के साथ सोमवार को प्रेसवार्ता की। वाजपेयी का कहना है कि उन्हें संसदीय सचिव मामले में राष्ट्रपति की सिफारिश पर चुनाव आयोग अयोग्य घोषित कर चुका है। उसके बाद दिल्ली हाई कोर्ट ने चुनाव आयोग में उनका पक्ष सुने जाने के लिए मोहलत दी है। अभी यही तय नहीं है कि वह विधायक हैं या नहीं। ऐसे में उनके खिलाफ कार्रवाई नहीं की जा सकती है। उधर बताया जा रहा है कि आप ने अपने दो और बागी विधायकों के खिलाफ कार्रवाई के लिए मन बना लिया है। जल्द ही इनके खिलाफ भी दिल्ली विधानसभा में शिकायत किए जाने की संभावना है।

नई दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष विजेंद्र गुप्ता पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए। साथ में आप विधायक अनिल वाजपेयी (बाएं) और देवेंद्र सहरावत (दाएं)। जागरण

नर्सिंग सहायिका के ब्वॉयफ्रेंड और एक युवती पर घूम रही शक की सुई

राकेश कुमार सिंह, नई दिल्ली

ट्रिपल मर्डर

▸ **वसंत विहार पुलिस उक्त दोनों के अलावा एक अन्य युवक को हिरासत में लेकर कर रही है पूछताछ**

वसंत विहार में बुजुर्ग दंपती व नर्सिंग सहायिका की हत्या के मामले में पुलिस को कई अहम सुराग मिले हैं। इससे पुलिस को उम्मीद है कि केस को जल्द सुलझा लिया जाएगा। पुलिस की अब तक की जांच नर्सिंग सहायिका के ब्वॉयफ्रेंड व एक युवती के इर्दगिर्द ही घूम रही है। वसंत विहार पुलिस उक्त दोनों के अलावा एक अन्य युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। केस की गुत्थी सुलझाने के लिए 10 टीमें बनाई गई हैं। इनमें 100 से अधिक पुलिसकर्मी शामिल हैं।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक 24 वर्षीय नर्सिंग सहायिका खुशबू नौटियाल मूलरूप से उत्तराखंड के पौड़ी गढ़वाल की रहने वाली थी। वह दस महीना पहले बुजुर्ग दंपती विष्णु माथुर (80) व शशि माथुर (75) के यहां आई थी और तब से वहां रहकर काम कर रही थी। यहां रहने के दौरान नवंबर में फेसबुक के जरिये उसकी पौड़ी गढ़वाल के ही एक युवक से दोस्ती हो गई। वह ग्राफिक्स डिजाइनर है और दिल्ली में एक निजी कंपनी में नौकरी करता है। वह भी वसंत विहार के आसपास ही रहता है। पुलिस के मुताबिक दोनों की सगाई हो गई थी और कुछ महीने बाद दोनों की शादी भी होने वाली थी।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक घटना वाली रात खुशबू के ब्वायफ्रेंड का रात करीब 8.30 बजे मोबाइल बंद हो गया था। वहीं हिरासत में ली गई युवती का भी मोबाइल ठीक उसी समय बंद हुआ था। जबकि दोनों का मोबाइल पहले कभी भी रात में एक साथ बंद नहीं हुआ था।

घटना के बाद रविवार सुबह पुलिस ने जब बुजुर्ग दंपती के वसंत अपार्टमेंट स्थित पहली मंजिल पर फ्लैट में जाकर जांच की तब नर्सिंग सहायिका वाले कमरे में टेबल पर चाय के दो कप व शराब का एक गिलास मिला। इससे पुलिस को शक हुआ कि रात में दो या तीन लोग फ्लैट में आए थे। जिन्होंने पहले चाय पी फिर आरोपित ने शराब पी होगी। इसके बाद जब अपार्टमेंट के सीसीटीवी फुटेज की जांच की गई तो देर रात 11.30 बजे एक युवक-युवती पहली मंजिल पर जाते हुए दिखाई दे रहे हैं। युवक ने हेलमेट पहना हुआ है, जबकि युवती मुंह में कपड़ा बांधे है। यही युवक और युवती रात दो बजे बाहर जाते हुए भी दिखाई दिए हैं। वहीं रात करीब 1.30 बजे विष्णु माथुर व शशि माथुर दोनों के फोन बंद किए गए हैं। इसके 20 मिनट बाद खुशबू का फोन भी बंद हुआ है। इससे पुलिस का शक खुशबू के ब्वायफ्रेंड व संदिग्ध युवती पर गहरा रहा है। पुलिस को शक है कि उक्त दोनों में एक खुशबू का ही ब्वॉयफ्रेंड है। उसके साथ एक युवती आई थी। दोनों का मोबाइल घटना से पहले बंद हो गया था जो अगले दिन रविवार को खुला था। हालांकि, कॉल डिटेल रिकार्ड से कॉल करने का पता नहीं चला है। ऐसे में पुलिस का मानना है कि हो सकता है हत्या की पूरी साजिश वाट्सएप कॉल करके रची गई हो। पुलिस इसकी भी जांच कर रही है।

हज हाउस में एसटीपी तैयार जल्द खुलने की उम्मीद

जागरण संवाददाता, गाजियाबाद

▸ **एसटीपी न होने के चलते एनजीटी के आदेश पर तीन वर्ष पहले हुआ था सील**

▸ **इस वर्ष हज यात्रा पर जाने वालों के लिए उड़ानें चार जुलाई से हो रही हैं आरंभ**

हज हाउस में सीवर ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) निर्माण डेढ़ माह की रिकार्ड अवधि में लगभग पूरा हो चुका है। इस वर्ष हज यात्रा पर जाने वालों के लिए उड़ानें चार जुलाई से आरंभ हो रही हैं। दिल्ली से हज के लिए उड़ान भरने से पहले दूरदराज से आने वाले यात्रियों के रुकने की व्यवस्था यहां रहेगी। एसटीपी न होने के चलते एनजीटी के आदेश पर इसे सील किया गया था।

प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव ने 30 मार्च, 2005 को हरनंदी के तट पर आला हजरत हज हाउस का शिलान्यास किया था। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) के आदेश के बाद 2018 में जिला प्रशासन ने हज हाउस को एसटीपी न होने के चलते सील कर दिया था। कुछ पर्यावरणविदों ने एनजीटी में याचिका दायर की थी, जिसमें उन्होंने पक्ष रखा था कि हज हाउस में करीब दो हजार यात्रियों के ठहरने की व्यवस्था है, लेकिन वहां एसटीपी नहीं बनाया गया। साल बीत जाने के बाद मुंबई हज कमेटी की ओर से एसटीपी निर्माण के लिए दो करोड़ रुपये जारी किए गए। इसके बाद उत्तर प्रदेश जल निगम के कंस्ट्रक्शन एंड डिजाइन सर्विसेज (सीडीएस) ने प्रशासनिक स्तर पर अनुमति लेकर डेढ़ माह पूर्व आरंभ किए गए निर्माण कार्य को लगभग पूरा कर लिया है। नवनिर्मित एसटीपी की क्षमता 136 केएलडी है, जिसके लिए अधिकतर मशीन गुजरात से मंगाकर लगाई गई हैं।

> हज कमेटी की ओर से पूरी तैयारी है। 26 जून को एनजीटी को जानकारी दे दी जाएगी। आदेश मिलने के बाद दिल्ली से चार जुलाई को जाने के लिए दूरदराज से आने वाले पहले जत्थे के हज यात्री यहां रुक सकेंगे।
> **– जावेद खान, सचिव, यूपी हज कमेटी**

आइजीआइ एयरपोर्ट पर सवा करोड़ का तस्करी का सोना बरामद

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर कस्टम ने अलग-अलग तस्करों से एक करोड़ 18 लाख का सोना बरामद किया है। इन मामलों में एक विदेशी सहित तीन तस्करों को गिरफ्तार किया गया है।

वरिष्ठ कस्टम अधिकारी ने बताया कि 21 जून को अशगबत से तुर्कमेनिस्तान एयरलाइंस का विमान एयरपोर्ट पर पहुंचा। इससे उतरा एक विदेशी यात्री एयरपोर्ट से बाहर निकलने का प्रयास कर रहा था। कस्टम अधिकारियों ने उसकी तलाशी ली, तो उसके पास 1421 ग्राम वजन के सोने के नौ टुकड़े बरामद हुए, जिनकी कीमत 27 लाख रुपये से ज्यादा है। तस्कर को गिरफ्तार कर लिया गया। 22 जून को कस्टम ने दो भारतीय नागरिकों को तस्करी करते हुए धर दबोचा। वे एयर इंडिया के विमान से दुबई से दिल्ली आए थे। जांच के दौरान कस्टम अधिकारियों ने उनके सामान से सोने के छह कड़े और चार चेन बरामद कीं, जिनका वजन 17 सौ ग्राम और कीमत करीब 58 लाख 39 हजार रुपये है। इससे पहले एक अन्य मामले में 20 जून को हवाई अड्डे के एक टॉयलेट के बाहर संदिग्ध सामान बरामद किया, जिसमें एक किलो सोना बरामद हुआ।

खोज

एएसआइ ने करीब सवा दो सौ साल से दबे हलाम को खोज निकाला, यह हमाम मुमताज महल के स्मारक के दाहिनी ओर करीब 25 मीटर की दूरी पर है

लाल किला में मिला मुमताज महल का हमाम

वीके शुक्ला, नई दिल्ली

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआइ) ने शाहजहां की सबसे प्रिय बेगम मुमताज महल के क्षतिग्रस्त हमाम को खोज निकाला है। यह पिछले करीब सवा दो सौ साल से जमीन में दबा हुआ था। यह हमाम लाल किले में मुमताज महल के स्मारक के दाहिनी ओर करीब 25 मीटर की दूरी पर है। इसके आसपास निर्माण थे, जिन्हें तोड़ा गया है। निर्माण तोड़े जाने के बाद एक स्थान पर जमीन में कुछ हिस्सा धंसा हुआ मिला। इस इलाके की एएसआइ के अधिकारियों ने जब सफाई कराई तो जमीन में करीब 12 फुट गहरा हमाम मिला है। इसकी चौड़ाई 15 फुट और लंबाई 40 फुट के करीब है। इसमें गर्म और ठंडे पानी से नहाने के लिए अलग-अलग चैनल हैं। दोनों ओर से आने-जाने के रास्ते हैं।

एएसआइ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि मुमताज महल के स्मारक के कारण लाल किला का यह भाग अति संवेदनशील था। इधर बाहरी लोगों को आने की इजाजत नहीं थी। ऐसे में इस बात की पूरी संभावना है कि यह मुमताज महल का ही शाही हमाम रहा होगा। उन्होंने कहा कि मोती मस्जिद के पास जो शाही हमाम बना है, वह मुमताज महल के महल से बहुत दूर है। बहरहाल, अब इसका संरक्षण कराया जाएगा। एएसआइ के अधिकारी अपने दस्तावेजों में यह भी ढूंढ़ने का प्रयास कर रहे हैं कि इस हमाम का कोई प्रमाण व डिजाइन मिल जाए। मगर अभी तक उन्हें सफलता नहीं मिल सकी है। हमाम बुरी तरह तरह से क्षतिग्रस्त है। एक भाग में नहाने के लिए बैठने की पत्थर की सिर्फ दो सीटें बची हैं। दीवारों से कीमती पत्थर निकाल लिए गए हैं। छत को भी तोड़ दिया गया है। धरोहर को बचाने में लगी संस्था विरासत के अध्यक्ष व अधिवक्ता लखविंदर सिंह कहते हैं कि 1857 में जब अंग्रेजों ने लालकिला पर कब्जा कर लिया तो उन्होंने यहां बहुत तोड़फोड़ की। संभवतः उसी समय इसे तोड़ दिया गया होगा और इसके कीमती पत्थर निकाल लिए गए होंगे।

लाल किला में मुमताज महल के महल का संरक्षण कार्य जल्द ही पूरा होने जा रहा है। इससे पहले इस महल का 1907 में संरक्षण कार्य कराया गया था। इस महल में 1919 से संग्रहालय चल रहा था। इस पर एएसआइ ने मार्च 2018 में ताला लगा दिया था। उसी समय से इसका संरक्षण कराने की योजना बन रही थी। अब तेजी से इसका संरक्षण कार्य चल रहा है, जो जल्द ही पूरा होने वाला है। महल में जिन चीजों के प्रमाण मिले हैं, उन्हें संरक्षित भी किया गया है। मगर महल के बीच वाटर चैनल के पूरे प्रमाण नहीं मिले हैं। इसलिए इस भाग को बालू से बंद कर फर्श को बराबर किया जाएगा। इसका मकसद यह है कि भविष्य में जरूरत पड़ने पर इस भाग को खोला जा सकेगा।

लाल किला में मुमताज महल का चल रहा है संरक्षण कार्य। संजय

केंद्रीय विद्यालय के रूप में चलेगा प्रेजिडेंट एस्टेट स्थित स्कूल

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

दिल्ली सरकार ने प्रेजिडेंट एस्टेट स्थित डॉ. राजेंद्र प्रसाद सर्वोदय विद्यालय को केंद्र सरकार को देने की मंजूरी दे दी है। अब केंद्र सरकार इसको केंद्रीय विद्यालय के रूप में चलाएगी। प्रेजिडेंट एस्टेट स्थित यह वही विद्यालय है, जहां पर उपमुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया के निवेदन पर पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी दो बार शिक्षक दिवस के मौके पर बच्चों को पढ़ाने आए थे। इस बारे में अपने ट्वीट में सिसोदिया ने लिखा कि दिल्ली सरकार के प्रेजिडेंट एस्टेट स्थित सरकारी स्कूल को केंद्र सरकार केंद्रीय विद्यालय के रूप में चलाएगी। दिल्ली सरकार ने इसकी सहमति दे दी है।

सिसोदिया ने अपने ट्वीट में लिखा कि 2015 तक यही स्कूल भ्रष्टाचार का अड्डा बना हुआ था। शिक्षा मंत्री के रूप में सबसे पहला छापा इसी स्कूल में डाला था और एक साल में यह इतना बदल गया था कि यहां मुखर्जी सर की क्लास भी लगी थी। अपने ट्वीट में मनीष सिसोदिया ने इस स्कूल में अपने छापे की उस दौरान की वीडियो भी पोस्ट करके बताया कि किस तरह उस वक्त इस स्कूल में भ्रष्टाचार हो रहा था। स्कूल में सुविधाओं की कमी थी। छापे के बाद सभी तरह की सुविधाएं मुहैया कराने पर काम किया गया। पूर्व राष्ट्रपति के अलावा मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल भी इस स्कूल का दौरा करके यहां के बच्चों के साथ बातचीत कर चुके हैं। इस स्कूल का निर्माण 1946 की तत्कालीन भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय ने करवाया था। इसके बाद 1962 में इसे दिल्ली के शिक्षा निदेशालय को दे दिया गया था।

दिल्ली सरकार की मंजूरी

उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के निवेदन पर इस स्कूल में दो बार शिक्षक दिवस पर पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी शिक्षक के रूप में क्लास ले चुके हैं